

विचार बिन्दु

ईश्वर द्वारा निर्मित जल और वायु की तरह सभी चीजों पर सबका समान अधिकार होना चाहिए। -महात्मा गाँधी

क्या आर्थिक रूप से ग्रसित पाकिस्तान की मदद भारत को "नेबरहुड फर्स्ट" पॉलिसी के आधार पर करनी चाहिए?

कुछ दिनों पूर्व राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस मनाया था। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उस समारोह में मुख्य अतिथि थीं। राष्ट्रीय मानव अधिकार कमिशन के अध्यक्ष जस्टिस अरूण मिश्रा ने अपने भाषण में कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने इस वर्ष का स्लोगन दिया है "गरिमा, स्वतंत्रता तथा न्याय सबके लिये"। जस्टिस मिश्रा ने स्पष्ट किया कि उक्त स्लोगन ऋग्वेद के दर्शन पर आधारित है, जिसमें यह कहा गया है, "Taking every one together in human progress"

भारतीय दर्शन का मूल आधार है, "बहुजन सुखाय व बहुजन हितायै"। इसके द्वारा यह अपेक्षा की है संसार में सभी मानव सुख से रहें और जिसमें सबका हित समाहित हो। अभी दो दिन पूर्व ही सुप्रीम कोर्ट ने प्रसिद्ध एडवोकेट अश्वनी उपाध्याय की याचिका को सुनवाई कर निरस्त करते हुये कहा कि हिन्दुत्व रहने की एक कला का नाम है। अश्वनी उपाध्याय ने अपनी पिटीशन में यह मांग की थी शहरों, मार्गों आदि के नाम मुगल शासकों के नाम पर थे, उन्हें हटाया जावे।

चाणक्य ने कहा था जहाँ देशों की सीमायें मिलती हैं वहाँ के लोग एक-दूसरे के दुश्मन होते हैं और दुश्मन का दुश्मन मित्र होता है। पाकिस्तान भारत का जन्मजात दुश्मन है दूसरी ओर अफगानिस्तान पाकिस्तान का दुश्मन है, किन्तु अफगानिस्तान भारत का दोस्त है। प्रत्येक देश की "नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी" होती है, भारत की भी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी है किन्तु वह पाकिस्तान पर लागू नहीं होती। 15.8.1947 के दिन से आज तक पाकिस्तान भारत में शांति व उसकी उन्नति के विरुद्ध रहा है। भारत को अपनी आतंकवादी प्रवृत्ति से नुकसान पहुंचाता रहा है, वह हमारे देश का दुश्मन है। पाकिस्तान की मुख्य इष्टदृष्टि आतंकवाद है। वह कई युद्धों में भारत से हार चुका है। भारत की प्रगति से बोखला रहा है।

पाकिस्तान में मंहगाई आसमान छू रही है। वह लडखडा रहा है। वह आर्थिक संकट से झुझ रहा है। वह किसी भी संस्था से समझौता करने में सफल नहीं हो पाया है। पाकिस्तान कंगाली की डगर पर है। कर्जों के बोझ से वह बाहर नहीं निकल सकता है। प्याज की कीमत रु. 750/- प्रति किलो है इससे खाद्य पदार्थों की मंहगाई का अनुमान लगाया जा सकता है। अमरीका में राष्ट्रपति चुनाव 2024 के लिये दावेदारी पेश करने वाली निक्की हेली का मानना है कि कर्ज में डूबा पाकिस्तान चीन की जेब में है।

भारत ने हमेशा अपने पड़ोसियों की संकट के समय मदद की है। भारत ने श्रीलंका की मदद की है क्योंकि उसे अपनी आर्थिक मुसीबतों से उबरने में परेशानी हो रही थी। मालदीव की भी सहायता की थी। अपने पड़ोसियों की मदद वह कई प्रकार से कर रहा है। नेपाल से वह ऊर्जा खरीद रहा है। तुर्की में "आपरेशन ओल्ड" बहुत प्रभावशाली रहा है। सीरिया आपातकालीन सामग्री भेजी है। तुर्की की कहावत "दोस्त करा आंदे बोली ओलु" बहुत सटीक है जिसका अर्थ है। "A friend in need is a friend indeed" कोरोना में अनेक देशों को फ्री वेक्सिन भेजा है।

प्रश्न यह है कि क्या भारत अपने पड़ोसी देश पाकिस्तान को आर्थिक दलदल से निकालने में मदद करेगा। पाकिस्तान भारत का पड़ोसी है, किन्तु पाकिस्तान सदैव भारत के विरुद्ध, उसे नुकसान पहुंचाने में प्रयत्नशील रहा है। पाकिस्तान का प्रमुख उद्योग आतंकवाद है। भारत को आतंकवादी गतिविधियों से पाकिस्तान धन व माल का नुकसान पहुंचा रहा है। अनेक बार अकारण ही युद्ध करता रहा है। कश्मीर में जो नुकसान पाकिस्तान ने भारत को पहुंचाया है उसका मूल्यांकन संभव नहीं है। यूएन में पाकिस्तान समय समय पर कश्मीर का मुद्दा छेड़ता रहा है जबकि यह मामला जिन्दा ही नहीं है। संक्षेप में कहा जा सकता है पाकिस्तान यद्यपि पड़ोसी है फिर भी किसी सहायता का अधिकारी नहीं है उसका व्यवहार शत्रु जैसा है क्योंकि इसका कोई

पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति के लिये वह स्वयं जिम्मेदार है उसके प्रति करुणा भाव पैदा हो ही नहीं सकता फिर भी पाकिस्तान की गरीब जनता की मदद की मांग होने पर मदद करना मानवीय दृष्टि से अच्छा कदम हो सकता है किन्तु आर्थिक सहायता न देकर खाद्यान्न और प्याज (महाराष्ट्र में प्याज की भरपूर फसल हुई है) भारत दे सकता है। भारत के लोगों का विशाल दिल है, अन्नदान नेक काम है।

भरोसा नहीं है यहां तक कि पाकिस्तान सहायता राशि को भी आतंकवादियों को पहुंचा सकता है।

भारत का रूख काफी मजबूत और दृढ़ है। भारत पाकिस्तान को मदद करने का इस समय इच्छुक अभी नहीं है। भारत की "नेबरहुड फर्स्ट" की पॉलिसी पाकिस्तान पर लागू नहीं होती। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कि विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित "एशिया इकोनोमिक्स डायलॉग" में पधारे प्रतिनिधियों से कहा कि पाकिस्तान को संकेत से उभारने का अहम प्रश्न, भारत की जन भावना पर निर्भर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं इस बारे में देश की जनता की नब्ज टटोलूंगा और मैं समझता हूँ कि उलतर आप जानते हो है। इस देश के लोग पाकिस्तान पर विश्वास नहीं करते। अनुभव यह अवश्य कहता है कि यदि पाकिस्तान को मानवीय आधार पर आर्थिक सहायता दे दी तो जावे तो वह इस बात की कोई गारण्टी नहीं है कि वह उसका उपयोग भारत के खिलाफ नहीं करेगा।

भारत धर्म प्रधान देश है, नाम ही उसका भारत है, भा रत, इसका अर्थ है धर्म में लीन रहने वाला। मानवीय दृष्टिकोण से यहां के लोगों के दिल पसीज जाते हैं वे मानव की चोखार को सुनते हैं। भारतीय संस्कृति का दर्शन संसार के लोगों की खुशहाली है। पाकिस्तान सुधर नहीं सकता। वह 'पेट्टे टेरिस्ट' गतिविधियों को, लिखित में समाप्त करने की घोषणा के बाद भी रोकने में असफल रहा है यह कथन अमेरिका के विदेश मंत्रालय का है। भारत व टर्की के संबंध भी अच्छे नहीं हैं, फिर भी मोदी सरकार ने मानवीयता के आधार पर वहां गेहूँ भेजे हैं और टर्की सरकार ने उसे सहर्ष स्वीकार कर भारत की दरिया दिली की तारीफ की है। भारत के लोग किसी की भी आँखों में आंसू नहीं देख सकते। गांधाजी से जब किसी व्यक्ति से पूछा, बापू आपकी महत्वाकांक्षा क्या है तो उन्होंने कहा था, "To wipe out tears from every eye"।

अपने पड़ोसी देश को इस प्रकार असहाय हालत में देखकर मानवीय संवेदना का बोध होना समय की पुकार है, किन्तु यह तो देखना ही होगा कि वह देश हमारे देश के प्रति क्या भावना रखता है। देश की जनता पाकिस्तान के प्रति उदार नहीं है, अपितु प्रत्येक क्षेत्र में वह उसे हारते हुये देखना चाहती है। चाहे वह क्षेत्र लडाई का हो अथवा खेल व राजनीति का हो। भारत के यशस्वी विदेश मंत्री ने इसी बात को सहज भाव से समझाने का प्रयास किया है। पाकिस्तान को संकेत से उभारने के प्रश्न पर उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी है कि सब कुछ जन भावना पर निर्भर करता है। 1947 से अभी तक पाकिस्तान ने भारत के प्रति मैत्री भाव नहीं रखा, वह भारत की मित्रता के योग्य भी नहीं है। मित्र तो वह होता है जिस पर आंख बंद कर विश्वास किया जा सकता है, किन्तु पाकिस्तान तो बहुत पहले ही यह विश्वास खो चुका है।

एक मित्र जीवन में बहुत बड़ा सहारा है। बाईबिल में लिखा है कि एक निष्ठावान मित्र जीवन की औषधि है। हेनरी फोर्ड एक समय के सबसे धनाढ्य व्यक्ति थे। उन्होंने पेट्रोल से चलने वाली कार का आविष्कार किया था। उसी के समय उन्होंने कहा था, "मैंने धन कमाया जब मित्र बनाने का समय था। आज मैं अपना सारा धन न्यूऑरब करने का तैयार हूँ, यदि मुझे कुछ अच्छे मित्र मिल जावें"। कहते हैं उन्हें कोई अच्छा मित्र नहीं मिला। क्या पाकिस्तान भारत के लिये अच्छा मित्र बन सकता है? जवाब है असम्भव है।

पाकिस्तान की वर्तमान स्थिति के लिये वह स्वयं जिम्मेदार है उसके प्रति करुणा भाव पैदा हो ही नहीं सकता फिर भी पाकिस्तान की गरीब जनता की मदद की मांग होने पर मदद करना मानवीय दृष्टि से अच्छा कदम हो सकता है किन्तु आर्थिक सहायता न देकर खाद्यान्न और प्याज (महाराष्ट्र में प्याज की भरपूर फसल हुई है) भारत दे सकता है। भारत के लोगों का विशाल दिल है, अन्नदान नेक काम है। यद्यपि पाकिस्तान के साथ नेकी का कार्य इस कहावत को चरितार्थ करता है, "नेकी कर दरिया में डाल"। भारत धर्म निरपेक्ष देश है फिर भी धर्म प्रधान देश है और अन्नदान पुण्य कार्य है। पुण्य करते समय परिणाम नहीं देखा जाता। सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन

पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

खाटूश्यामजी के मेले में भक्तों का सैलाब उमड़ा

खाटूश्यामजी, (निर्स)। बाबा श्याम के जयकारे दशमी के दिन खाटू नगरी में दिनभर गूंजते रहे। खाटूश्यामजी के फाल्गुनी लक्ष्मी मेले में गुरुवार को भक्तों का सैलाब उमड़ा।

श्याम सरकार की एक झलक पाने को देश के कोने-कोने से आए भक्तों

■ देश के कोने-कोने से आए भक्तों ने दिन भर कतारबद्ध होकर दर्शन किये

ने दिन भर कतारबद्ध होकर दर्शन किये। कोई पैदल चलकर, कोई हाथों में निशान लेकर तो कोई दंडवत करता हुआ बाबा के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए पहुंचा। रींग से लेकर खाटूश्यामजी तक दर्शनार्थियों की कतारें लगी लगीं। बाबा श्याम के दरबार 24 घंटे भक्तों के लिए खुले हैं। जिससे लगातार बाबा श्याम के दर्शन करने के लिए भक्त खाटू नगरी में पहुंच रहे हैं। खाटूश्यामजी में इस बार निशान रखने के लिए श्री श्याम मंदिर कमेटी ने अलग से व्यवस्था की है। श्री श्याम मंदिर कमेटी द्वारा बनाई गई व्यवस्था में पूरा पंडाल निशानों से अटा हुआ है। बाबा श्याम की लक्ष्मी मेले में



खाटू नगरी में बाबा श्याम के जयकारे दशमी के दिन दिनभर गूंजते रहे।

पहली बार जिला प्रशासन व नगरपालिका द्वारा भक्तों के चपल जूतों को उन तक पहुंचाने के लिए एक अभियान चलाया जो भी श्याम भक्त मेला ग्राउंड में चपल जूते खोलकर जा रहे हैं। उनको चपल जूते के जोड़ों को बांधकर सुरक्षित नगरपालिका के पास पहुंचाया जा रहा है जहां से टोकन दिखाकर श्याम भक्त चपल जूते प्राप्त कर रहे हैं। इतने बड़े मेले में यह व्यवस्था श्याम भक्तों को रास आ रही है। नगरपालिका के ईओ अरूण शर्मा व स्वास्थ्य निरीक्षक वीरेंद्र सिंह चंदेलिया इस अभियान पर नजर बनाए

हुए हैं। बाबा श्याम अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए अपनी हवेली से एकादशी शुक्रवार को नगर भ्रमण करेंगे। नीले घोड़े पर बनुडा सा बनकर बाबा श्याम की शाही सवारी जिसमें बैड,डोल,तरासा,चंग के साथ गुलाल उड़ते हुए भक्त रथ के आगे नाचते

गाते आयेगे। गौरतलब है कि बाबा श्याम फाल्गुन शुक्ल पक्ष की एकादशी को ही अपने भक्तों को दर्शन देने के लिए आते हैं। इस दौरान भक्तों में रथ की छूने की लालसा, खजाने के रूप में प्रसाद लेने की अभिलाषा के साथ श्याम भक्त रथ के साथ चलते हैं।

जयपुर-असारवा-जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन शुरू, आज से रूट पर चलेगी

उदयपुर, (कांस)। उदयपुर-अहमदाबाद ब्रॉडगेज आमन परिवर्तन रूट पर उदयपुर से ट्रेन शुरू होने के बाद प्रस्तावित जयपुर-असारवा-

■ गुरुवार को स्पेशल रेल सेवा को उदयपुर से जयपुर भेजा गया

■ जो शुक्रवार शाम 7.35 पर जयपुर से रवाना होकर सुबह 8.50 पर असारवा पहुंचेगी

जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन का इंटरजार् किया जा रहा था। शुक्रवार से यह ट्रेन रूट पर चलेगी। गुरुवार को इसका विधिवत शुभारंभ उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में हुआ। इस ट्रेन के साथ ही इस रूट पर इंदौर-उदयपुर-इंदौर ट्रेन का भी असारवा तक विस्तार कर दिया गया है। वहीं कोटा से भी असारवा के लिए एक ट्रेन चलाई गई है जो सप्ताह में दो दिन चलेगी। इन दोनों ट्रेनों की



उदयपुर में जयपुर स्पेशल रेलसेवा की शुरूआत उदयपुर सिटी रेलवे स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर की।

शुरूआत शनिवार से होगी जबकि असारवा-जयपुर ट्रेन शुक्रवार शाम 7 बजेकर 3.5 मिनट पर जयपुर से रवाना होगी। इन तीन ट्रेनों के साथ ही इस रूट पर अब चार ट्रेनें हो गई हैं। जो अहमदाबाद (असारवा) जाएंगी। रेल यात्रियों को अधिकाधिक यात्री सुविधाएं व ट्रेन सुविधा उपलब्ध कराने की कड़ी में गुरुवार को गाड़ी

संख्या 12981/12982, जयपुर-असारवा-जयपुर एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ अर्जुन लाल मीणा कंसद लोकसभा-उदयपुर द्वारा सांसद कटारा माननीय सांसद बांसावाड़ा, सी.पी. जोशी सांसद चित्तोड़गढ़ सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और मण्डल रेल प्रबंधक राजीव धनखड़ की उपस्थिति में उदयपुरसिटी रेलवे स्टेशन पर सांय

5.15 बजे किया गया। इसके तहत गाड़ी संख्या 02982, उदयपुर-जयपुर स्पेशल रेलसेवा को उपस्थित मुख्य अतिथि व जनप्रतिनिधियों द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। यह ट्रेन 2 मार्च को उदयपुर से 17.15 बजे रवाना होकर 00.35 बजे जयपुर पहुंचेगी। इस ट्रेन के प्रारंभ हो जाने से जयपुर

और अजमेर के यात्रियों को अहमदाबाद जाने के लिए एक अतिरिक्त वैकल्पिक मार्ग व ट्रेन मिल गई है।

इस मार्ग के फुलेप, किशनगढ़, अजमेर, नसीराबाद, भीलवाड़ा, चन्देरीया, मावली जं., राणाप्रतापनगर, उदयपुर सिटी, जावर, डूंगरपुर, शामलाजी रोड, हिम्मतनगर, नांदोल दहेगाम व सरदार ग्राम स्टेशनों के यात्रियों को एक और अतिरिक्त गाड़ी की सुविधा प्राप्त होगी। शुक्रवार से नियमित रेलसेवा गाड़ी संख्या 12981, जयपुर-असारवा सुपरफास्ट प्रतिदिन रेलसेवा जयपुर से 19.35 बजे रवाना होकर अगले दिन 08.50 बजे असारवा पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 12982, असारवा-जयपुर सुपरफास्ट प्रतिदिन रेलसेवा 4 मार्च से असारवा से 18.45 बजे रवाना होकर अगले दिन 07.35 बजे जयपुर पहुंचेगी।

अपर मंडल रेल प्रबंधक बलदेव राम, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विवेक रावत तथा क्षेत्रीय प्रबंधक ब्रज प्रसाद स्वामी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, रेल अधिकारी और आमजन उपस्थित थे।

पाली में फैक्ट्री से 37 हजार किलोग्राम फंगस लगा अचार जब्त

पाली, (निर्स)। पाली जिले में गुरुवार को चिकित्सा विभाग की ओर से सुमेरपुर कस्बे में शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत की गई कार्यवाही

■ दो अन्य फैक्ट्री से घी, हल्दी व बेसन के नमूने जांच के लेकर प्रयोगशाला भिजवाया

■ शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत कार्रवाई की, डर से भागे व्यापारी

से व्यापारियों में हड़कंप मच गया। टीम द्वारा कार्यवाही के दौरान फैक्ट्री मालिक मौके से फरार हो गया तो वहीं एक अन्य फैक्ट्री के मालिक को इसकी भनक लगी तो वह ताला लगाकर ही भाग गया। सोमपंचओ डॉ.इन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि जिले में चल रहे



सुमेरपुर कस्बे में चिकित्सा विभाग की टीम ने फैक्ट्री में आचार जब्त करने की कार्रवाई की।

शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत चिकित्सा विभाग की टीम ने सुमेरपुर में बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया। चिकित्सा विभाग की टीम ने पुलिस जाते के साथ कार्यवाही कर एक फैक्ट्री से फंगस लगा 37 हजार किलोग्राम आचार जब्त किया। वहीं दो अन्य फैक्ट्री से घी, हल्दी व बेसन के

नमूने जांच के लेकर प्रयोगशाला भिजवाया गया। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना शुद्ध के लिए युद्ध अभियान के तहत जिले में इन दिनों होली के त्योहार को देखते हुए जिला कलेक्टर नमित मेहता के निर्देश पर चिकित्सा विभाग की फूड सेफ्टी

टीम ने पुलिस बल के साथ गुरुवार को पाली जिले के सुमेरपुर कस्बे में छगन मगन अचार बनाने की फैक्ट्री पहुंची तो टीम ने वहां पर प्लास्टिक के 370 ड्रमों में तैयार किया गया 37 हजार किलोग्राम अचार पड़ा था तथा वह अचार फंगस लगा हुआ था। फूड सेफ्टी टीम पुलिस बल ने फंगस लगे

अचार नष्ट करने की कार्यवाही करनी चाही तो फैक्ट्री मालिक डर के मारे मौके से फरार हो गया।

फैक्ट्री मालिक का काफी इंतजार करने के बाद भी नहीं आया तो टीम ने फैक्ट्री पर फूड लगे अचार को 3 दिनों में नष्ट कर की गई कार्यवाही से अवगत कराने के लिए फैक्ट्री पर नोटिस चस्पा किया गया। इसी टीम ने सुमेरपुर कस्बे के रीको क्षेत्र में भी मेसर्स चामुण्डा ट्रेडिंग कंपनी मसाला पर कार्यवाही करने पहुंची तो फैक्ट्री मालिक को कार्यवाही की भनक लगते ही फैक्ट्री पर ताला लगा कर फरार हो गया। इसी टीम ने कस्बे में एक अन्य गोधाम से घी व एक फैक्ट्री से बेसन व हल्दी का नमूना लिया गया, जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाया गया। उन्होंने बताया कि गुरुवार को की गई टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी आनंद चौधरी, भूरागम गोदारा व पुलिस जाब्ता सचिव रहे। उन्होंने बताया कि जिले में शुद्ध के लिए युद्ध निरंतर जारी रहेगा।



राशिफल

शुक्रवार 3 मार्च, 2023

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2079, पुनर्वसु नक्षत्र दिन 3:43 तक, सौभाग्य योग सांय 6:44 तक, विष्टि करण प्रातः 9:12 तक, चन्द्रमा प्रातः 8:58 से करक राशि में संचार करेगा। ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-चक्र, मंगल-वृष, बुध-कुम्भ, गुरु-मीन,

शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मेघ, केतु-तुला राशि में। आज कुमार योग सूर्योदय से दिन 9:12 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 3:43 से आरम्भ होगा। रावयोग दिन 3:43 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा प्रातः 9:12 तक है। आज आमला एकादशी व्रत वैष्णवों का है। आज रंगभरी ग्यारस है। आज एकादशी तिथि में वृद्धि हुई है। आज उन्मीलनी महाद्वादशी व्रत है। सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:20 तक, लाभ-अमृत 8:20 से 11:12 तक, शुभ 12:39 से 2:15 तक, चर 4:58 से सूर्यास्त तक। राहुकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:53, सूर्यास्त 6:24

मेघ
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेगी। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नौकरोंपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

धनु
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। शुभ कार्य के लिए हाथ संभव है।

मकर
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

कुंभ
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटकते हुए कार्य बनने लगेगे। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी और संभावित खोत से धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। परिवार में सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
अपने आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी।